

Examrace

परिन्दा

Get top class preparation for UGC right from your home: Get [detailed illustrated notes covering entire syllabus](#): point-by-point for high retention.

छोटे से घरौंदे में कर रात्रि बसेरा
आता बाहर जैसे ही होता सवेरा।
उन्मुक्त रूप से विचरण करता
स्वछंद जीवन की चाह से जीता
उद्धेलित मन से तृण-तृण लेकर
करता है-निर्माण नीड़ का।
नील गगन में परीहीन करता
अपना भोजन स्वयं खोजता
जो पाता उसमें संतोष जताता
संदेश हमें निरंतर देता
श्रम का, आत्मनिर्भरता का, आजादी का
और लालच से, तृष्णा से स्वयं को बचाने का।

Author: Manishika Jain

Developed by: [Mindsprite Solutions](#)